Priti Singh
Assistant Professor
DEPARTMENT OF B.Ed.
THE GRADUATE SCHOOL COLLEGE FOR WOMEN,
JAMSHEDPUR

**B.Ed.- 2nd Sem, Paper- VII A, (Pedagogy of Social Science –Geography)**

## भूगोल का विकास

## Development of Geography (part -3)

फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता ब्लैंच ने सुझाव दिया कि मनुष्य पर्यावरण के रूप को आकार देने वाली एक प्रमुख शक्ति है । यह विचार कि मनुष्य भौतिक वातावरण को संशोधित कर रहे थे, संयुक्त राज्य अमेरिका में भी प्रचलित था। १८४७ में **जॉर्ज पर्किंस मार्श** ने रुटलैंड काउंटी, वरमोंट की एग्रीकल्चरल सोसायटी को संबोधित किया । इस भाषण का विषय यह था कि मानव गतिविधि का भूमि पर विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा था, विशेष रूप से वनों की कटाई और भूमि रूपांतरण के माध्यम से । यह भाषण **उनकी पुस्तक मैन एंड नेचर या द अर्थ** के लिए मानव कार्रवाई द्वारा संशोधित की नींव भी बन गया, जो पहले 1864 में प्रकाशित हुआ था। इस प्रकाशन में मार्श ने अमेरिकी सीमांत के निरंतर विकास के पारिस्थितिक परिणामों की चेतावनी दी ।

The French geographer **Blanche** suggested that human beings were a dominant force shaping the form of the environment. The idea that humans were modifying the physical environment

was also prevalent in the United States. In 1847, /George Perkins Marsh gave an address to the Agricultural Society of Rutland County, Vermont. The subject of this speech was that human activity was having a destructive impact on land, especially through deforestation and land conversion. This speech also became the foundation for his book **Man and Nature** or **The Earth as Modified by Human Action***,* first published in 1864. In this publication, Marsh warned of the ecological consequences of the continued development of the American frontier.

1900 के दशक के पहले 50 वर्षों के दौरान, भूगोल के क्षेत्र में कई शिक्षाविदों ने पिछली सदी में प्रस्तुत विभिन्न विचारों को दुनिया भर के छोटे क्षेत्रों के अध्ययन के लिए बढ़ाया । इनमें से अधिकांश अध्ययनों ने शोध प्रश्नों का परीक्षण करने के लिए वर्णनात्मक क्षेत्र के तरीकों का उपयोग किया। लगभग 1950 में शुरू, भौगोलिक अनुसंधान पद्धति में बदलाव का अनुभव किया। भूगोलविदों ने अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना शुरू किया जो मात्रात्मक तकनीकों पर भरोसा करता था। मात्रात्मक क्रांति भी उस तरीके से बदलाव से जुड़ी थी, जिसमें भूगोलविदों ने पृथ्वी और उसकी घटनाओं का अध्ययन किया था। शोधकर्ताओं ने अब ब्याज की घटना का केवल विवरण के बजाय प्रक्रिया की जांच शुरू कर दिया । आज, कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों में प्रगति के कारण मात्रात्मक दृष्टिकोण और भी अधिक प्रचलित होता जा रहा है ।

During the first 50 years of the 1900s, many academics in the field of geography extended the various ideas presented in the

previous century to studies of small regions all over the world. Most of these studies used descriptive field methods to test research questions. Starting in about 1950, geographic research experienced a shift in methodology. Geographers began adopting a more scientific approach that relied on quantitative techniques. The quantitative revolution was also associated with a change in the way in which geographers studied the Earth and its phenomena. Researchers now began investigating process rather than mere description of the event of interest.

आज, कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों में प्रगति के कारण मात्रात्मक दृष्टिकोण और भी अधिक प्रचलित होता जा रहा है । 1 9 64 में, विलियम पैटिसन ने जर्नल ऑफ ज्योग्राफी (1 9 64, 63: 211-216) में एक लेख प्रकाशित किया जिसमें सुझाव दिया गया था कि आधुनिक भूगोल अब निम्नलिखित चार अकादमिक परंपराओं से बना है :

Today, the quantitative approach is becoming even more prevalent due to advances in computer and software technologies.

In 1964, William Pattison published an article in the ***Journal of Geography*** (1964, 63: 211-216) that suggested that modern Geography was now composed of the following four academic traditions:

स्थानिक परंपरा-भूगोल की घटनाओं की स्थानिक नजरिए से जांच करता है ।

**Spatial tradition**- the investigation of the phenomena of geography from a strictly spatial perspective.

क्षेत्र परंपरा का अध्ययन करता है- स्थानीय, क्षेत्रीय या वैश्विक स्तर पर पृथ्वी पर किसी क्षेत्र का भौगोलिक अध्ययन।

**Area studies tradition**- the geographical study of an area on the Earth at either the local, regional, or global scale.

मानव भूमि परंपरा- पर्यावरण के साथ मानव बातचीत का भौगोलिक अध्ययन।

**Human land tradition**- the geographical study of human interactions with the environment.

पृथ्वी विज्ञान-परंपरा - एक स्थानिक परिप्रेक्ष्य से प्राकृतिक घटनाओं का अध्ययन। इस परंपरा को सैद्धांतिक भौतिक भूगोल के रूप में सबसे अच्छा वर्णित है।

**Earth sciences-tradition** - the study of natural phenomena from a spatial perspective. This tradition is best described as theoretical physical geography.

आज, पैटिसन द्वारा वर्णित अकादमिक परंपराएं अभी भी भौगोलिक जांच के प्रमुख क्षेत्र हैं । हालांकि, इस धारणा के प्रकाशन के बाद से मानव मध्यस्थता पर्यावरणीय समस्याओं की आवृत्ति और परिमाण में लगातार वृद्धि हुई है । ये वृद्धि बढ़ती मानव आबादी और इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक संसाधनों की खपत में वृद्धि का परिणाम है ।

Today, the academic traditions described by Pattison are still dominant fields of geographical investigation. However, the frequency and magnitude of human mediated environmental problems has been on a steady increase since the publication of this notion.

ये वृद्धि बढ़ती मानव आबादी और इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक संसाधनों की खपत में वृद्धि का परिणाम है । नतीजतन, भूगोल में शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या अध्ययन कर रहे है कि कैसे मनुष्य पर्यावरण को संशोधित करता है । इन परियोजनाओं की एक महत्वपूर्ण संख्या भी प्रकृति पर मानव गतिविधियों के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए रणनीतियों का विकास कर रहे है

These increases are the result of a growing human population and the consequent increase in the consumption of natural resources. As a result, an increasing number of researchers in geography are studying how humans modify the environment. A significant number of these projects also develop strategies to reduce the negative impact of human activities on nature.

इन अध्ययनों में कुछ प्रमुख विषयों में शामिल हैं: हाइड्रोस्फीयर लिथोस्फीयर और वातावरण का पर्यावरण क्षरण। संसाधन उपयोग के मुद्दे; प्राकृतिक खतरे; पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन; और प्राकृतिक वातावरण पर शहरीकरण और भूमि उपयोग परिवर्तन का प्रभाव। भूगोल के इतिहास और विकास से संबंधित प्रस्तुत किए गए सभी वक्तव्यों को ध्यान में रखते हुए अब हम कुछ सुसंगत परिभाषा तैयार करने के लिए तैयार हैं । इस परिभाषा से पता चलता है कि भूगोल, अपने सरलतम रूप में, ज्ञान का क्षेत्र है कि कैसे घटना इन अध्ययनों में कुछ प्रमुख विषयों में शामिल हैं: हाइड्रोस्फीयर लिथोस्फीयर

और वातावरण का पर्यावरण क्षरण। संसाधन उपयोग के मुद्दे; प्राकृतिक खतरे; पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन; और प्राकृतिक वातावरण पर शहरीकरण और भूमि उपयोग परिवर्तन का प्रभाव। भूगोल के इतिहास और विकास से संबंधित प्रस्तुत किए गए सभी वक्तव्यों को ध्यान में रखते हुए अब हम कुछ सुसंगत परिभाषा तैयार करने के लिए तैयार हैं । इस परिभाषा से पता चलता है कि भूगोल, अपने सरलतम रूप में, ज्ञान का क्षेत्र है जो इस बात से समबंधित है कि कैसे घटना स्थानिक रूप से आयोजित है ।

Some of the dominant themes in these studies include: environmental degradation of the hydrosphere lithosphere and atmosphere; resource use issues; natural hazards; environmental impact assessment; and the effect of urbanization and land-use change on natural environments. Considering all of the statements presented concerning the history and development of geography, we are now ready to formulate a somewhat coherent definition. This definition suggests that geography, in its simplest form, is the field of knowledge that is concerned with how phenomena are spatially organized.

**********

.